**बोवाई:** अरंडी और सूरजमुखी फसलों की एक कतार के चारों ओर लगानी चाहिए। तमाकू के पत्ते खानेवाली लों वाले ईलिया इन पौधों की ओर आकर्षित होती हैं ंडे देती हैं। ऐसे पेड़ों की रोगग्रस्त पत्तियों को इल्लियों कर नष्ट कर देंना चाहिए, अर्थात मुख्य फसल पर जाता है।

**र नियंत्रण:** फसल में खरपतवारों का उचित नियंत्रण प्रकोप को घटाती है। खरपतवार के अवशेष कीट और कास के विभिन्न चरणों के विकास के लिए अनुकूल बनाते है।

**म जगह:** कीटभक्षी पक्षियों को बैठने के लिए सोयाबीन प्रति एकड़ 8 से 10 पक्षी स्टैंड स्थापित करने चाहिए।

**टनाशकों का प्रयोग:** पर्यावरण का संरक्षण करके कीटों के लिए डायपेल (संघटक- बेसिलस थुरिंजिएन्सिस), (संघटक- बैसिलस थुरिंजिनेसिस) आदि, या कवक बायोसॉफ्ट (घटक- बवेरिया बसियाना) और बायोरिन वेरिया प्रजाति) इन जैविक कीटनाशकों में से एक 1 का छिड़काव प्रभावित फसल पर करना चाहिए। तमाकू ँ खानेवाली इल्लीया और चने की फलियाँ खानेवाली प्रभावी नियंत्रण के लिए न्यूक्लियर पॉलीहाइड्रोसिस मिली/लीटर पानी का पहले या दूसरे चरण में संक्रमण ने पर छिड़काव करना चाहिए।

**क कीटनाशकों का प्रयोग:** फसल का नियमित सर्वेक्षण निश्चित करें कि कीट आबादी आर्थिक नुकसान के स्तर और अनुसंशा के अनुसार रासायनिक कीटनाशकों का करना चाहिए।

## कीड़ों की आर्थिक क्षति का स्तर:

| कीट | आर्थिक क्षति स्तर |
|---|---|
| पत्ते खानेवाली | 10 इल्लीया प्रती मीटर की कतार में फसल फूलने से पहले |
| ों वाली इल्ली | 10 इल्लीया प्रती मीटर की कतार में फसल फूलने से पहले |
| न इल्ली | 4 इल्लीया प्रती मीटर की कतार में फसल फूलने की आवस्था के दरम्यान<br>3 इल्लीया प्रती मीटर कतार में फसल फलियाँ बरने की आवस्था के दरम्यान |
| ंग बनाने वाली | औसत 10% ग्रासित पत्ते |
| | 3 से 5 ग्रासित पौधे प्रती मीटर कतार में |

## कीटनाशकों का उपयोग कर सोयाबीन कीड़ों का नियंत्रण

**तना मख्खी:**
बोवाई के समय थिमेथोक्ज़ाम 70 डीएस 3 ग्राम प्रति किलो बीज से बीज उपचार करना चाहिए। फसल 7-10 दिन की पुरानी होने पर कीट का प्रादुर्भाव हो तो क्लोरोपायरीफॉस 20% इ.सी. 1.5 लि./हे. या ट्रायझोफॉस 40% इ.सी. 800 मि.ली./हे. या इथोफेनप्रॉक्स 10 इ.सी. 1 लि./हे.

**तमाकू के पत्ते खानेवाली इल्ली:**
संक्रमण हो तो कीट के पहले या दूसरे चरण के दौरान एसएनपीवी 250 एलई/हे वायरस आधारित जैविक कीटनाशक का छिड़काव के लिए इस्तेमाल करें। साथ ही क्विनॉलफॉस 25 इ.सी. 1.5 लि./हे. या इंडोक्झाकार्ब 14.5 एस.सी. 500 मि.ली./हे. या रायनॅक्सीपायर 20 एस.सी.100 मि.ली./हे. या स्पीनेटोरॅम 11.7% एस. सी. 450 मि.ली/हे.

**पत्तियाँ मोड़नेवाली इल्ली:**
क्विनॉलफॉस 25 इ.सी. 1.5 लि./हे. या इंडोक्झाकार्ब 14.5 एस.सी. 500 मिली/हे. या रायनॅक्सीपायर 20 एस.सी. 100 मि.ली./हे. या ट्रायझोफॉस 40 इ.सी. 800 मि.ली./हे.

**चक्र भृंग:**
बुवाई के समय उर्वरकों के साथ 10 G 10 किग्रा फोरेट जमीन में डाले। कीट का प्रकोप दिखते ही प्रोफेनोफॉस 50% इ.सी. 1000 मी.ली./हे. ट्रायझोफॉस 40 इ.सी. 625 मिली./हे. या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 750 मि.ली./हे.

**अर्धकुंडलम इल्ली:**
क्विनॉलफॉस 25 इ.सी. 1.5 लि./हे. या क्लोरोपायरीफॉस 20 इ.सी. 1.5 लि /हे. या ट्रायझोफॉस 40 इ.सी. 800 मि.ली./हे. या प्रोफेनोफॉस 50 इ.सी. 1 लि./हे. या लॅम्बडा-सायहॅलोथ्रिन 4.9 टक्के सी.एस. 300 मि.ली./हे.

**बिहारी बालों वाली इल्ली:**
क्विनॉलफॉस 25 इ.सी. 1.5 लि./हे. या इंडोक्झाकार्ब 14.5 एस.सी. 500 मि.ली/हे. या रायनॅक्सीपायर 20 एस.सी. 100 मि.ली./हे. या ट्रायझोफॉस 40 इ.सी. 800 मि.ली./हे.

**सफ़ेद सूंडी:**
कंपोस्ट और FYM को खेत में फैलाने से पहले उसमें 10% फोलिडोल पाउडर मिलाकर सूँडी के अंडे और इल्लीयों को नष्ट कर देना चाहिए।

कीट के प्रकोप के आधार पर उपरोक्त कीटनाशकों में से किसी एक का 500 से 700 लीटर प्रति हेक्टेयर पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काए।


**संकलन एवं संपादन**
एस. ए. जायभाय
पी. जी. सुरेशा

**तकनीकी सहाय्य**
बी.डी. इधोळ, बी.एन. वाघमारे
डि. एच. साळुंखे और व्ही .डी. सुर्वे

**प्रकाशक**
डा. पी. के. ढाकेफलकर,
निदेशक, आघारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे


अमृत महोत्सव

विस्तार घडी प

# सोयाबीन के प्रम
# कीट और समेकित
# ंध

महाराष्ट्र विज्ञान वर्धिनी
आघारकर अनुसंधान संस
गो.ग. आगरकर पथ, पुणे- 411
संपर्क: 020-25325040
ई मेल: director@aripune.org
वेबसाइट: www.aripune.org

फसल को सफलतापूर्वक उगाने और उपज के लिए जल प्रबंधन, संतुलित पोषण और खरपतवार नियंत्रण विभिन्न कीटों का ज्ञान और फसल के बढ़ते चरणों के बंधन की जानकारी आवश्यक होती है। सोयाबीन फसल भंडारण के दरम्यान कीटों के प्रकोप की वजह से उपज आती है। बड़े पैमाने पर कीट ग्रसित होने की स्थिति में नष्ट होने का भय बना रहता है, इसलिए इस प्रकाशन में ोट एवं उनके प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान

## ख कीट और उनके प्रकोप के लक्षण

### मखखी

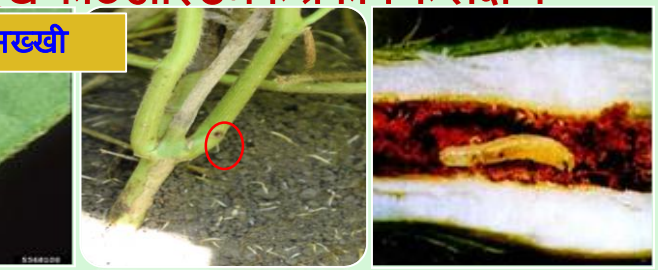

मक्खी द्वारा बाहर जाने के लिए बनाया निकास

तना मखखी की इल्ली

### तमाकू के पत्ते खाने वाली इल्ली

अंडों से निकलती इल्लीया

इल्ली की पहली आवस्था

इल्ली

कीट की वयस्क अवस्था

संक्रमित खेत

### पत्तिया को गोल मोड़नेवाली इल्ली

वयस्क चक्र भृंग

भृंग द्वारा तनेपर गोलाकार चक्र

संक्रमित पौधा

पूर्ण विकसित इल्ली

### अर्धकुंडलक कीट (सेमी लुपर)

सेमी लुपर इल्ली

वयस्क पतंग

### बिहारी बालों वाली इल्ली

बिहारी बालों वाली इल्लियों का

बिहारी बालों वाली इल्ली का पतंग

### सफ़ेद सुंडी

1. **भूमि की उचित जुताई**: रबी फसल की कटाई के शुरुआत में खेत की गहरी जुताई करनी चाहिए। इस छिपे कीट के अंडे, कोश, रोगजनक बैक्टीरिया और बीज आदि नष्ट हो जाते हैं।

2. **फसल की समय पर बोवाई**: सोयाबीन की बुवाई सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक करें, यह की फसल को बचाती है।

3. **उन्नत और अनुशंसित किस्मों का चयन**: उन्नत किस्में जो अलग-अलग समय पर परिपक्व होती हैं लिए तैयार होती हैं, उन्हें बुवाई के लिए चुननाचाहिए कटाई में आसानी होती है और साथ ही कीटों का होता है। बुवाई के लिए कीट प्रतिरोधी किस्मों क चाहिए।

4. **संतुलित पोषण**: फसल को संतुलित पोषण प्रदान अनुशंसित मात्रा में उर्वरकों को बोवाई के समय ल नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के अधिक प्रयोग से चक्र खानेवाले कीटों का संक्रमण होता है। पलाश प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है।

5. **उपयुक्त बीज दर**: बुवाई के लिए अनुशंसित 65 हेक्टेयर बीज दर का प्रयोग करना चाहिए, यदि फस बोई जाती है, तो फसल घनी रूप से बढ़ेगी और प इल्ली का प्रकोप बढ़ सकता है। घनी फसल जमीन है, जिससे उपज कम हो जाती है।

6. **बीजोपचार**: बीज को बुवाई से पहले अनुशंसित उपचारित करना चाहिए।

7. **संक्रमित फसलों का विनाश**: चक्र भृंग से संक्रमि पत्तियों को तोड़कर नष्ट करें। तमाकू के पत्ते खानेवा बिहारी बालों वाले इल्ली के प्रारंभिक चरण से ग्र उखाड़ने से उन्हें नियंत्रित करने के लिए आवश्यक मात्रा कम हो जाएगी।

8. **मित्र कीटों का प्रयोग**: कीट नियंत्रण के लिए मित्र करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण होता है।

9. **कामगंध जालों का प्रयोग**: तमाकू के पत्ती खानेवा